लखनऊ, रविवार, 24 अप्रैल, 2022

जागरण सिटी

देश के निर्माण में इंजीनियरों का योगदान अहम : आनंदीबेन पटेल

आइआइटी रुड़की के स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण होने पर समारोह

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आइआइटी रुड़की एलुमिनाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में (बाएं से) इंजीनियर अनुज वार्ष्णेय, इंजीनियर डीवी जैन और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को राधाकृष्ण की मूर्ति भेंट करते एसोसिएशन के सचिव नवनीत अग्रवाल • जागरण

जासं, लखनऊ : आइआइटी रुड़की के स्थापना के 175 वर्ष पूरे होने पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि दुनिया में वही देश आगे बढ़ता है जो नवाचार को अपनाता है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में वहां के इंजीनियरों का अहम योगदान होता है। वर्ष 2047 में जब देश स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएगा, तब देश की कमान युवाओं के हाथ में होगी। आर्थिक नीति से लेकर परमाणु विकास तक का जिम्मा युवाओं पर है।

शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आइआइटी रुड़की एलुमिनाई एसोसिएशन लखनऊ चैप्टर की ओर से 175वां स्थापना वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह उल्लास ग्लोबल थामसो का राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो काम होने लगा है, मगर शिक्षा के क्षेत्र में जो काम करना चाहिए, वह नहीं हो रहा है। इसके लिए सभी को आगे आना होगा। बाल विवाह यूपी में बहुत बड़ी समस्या है। मैंने मुख्यमंत्री से कहा है कि कारावास में जो महिलाएं 60 वर्ष की हो गई हैं, उन्हें रिहा किया जाए। आइआइटी रुड़की के 2004 बैच के एलुमिनाई और 2006 बैच के आइएएस व जिलाधिकारी लखनऊ अभिषेक प्रकाश ने समाज की उन्नति के लिए शिक्षा की मजबूती पर बल दिया। उन्होंने कार्यक्रम में लखनऊ की चुनौतियों पर चर्चा की। आइआइटी रुड़की एलुमिनाई एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय ने कहा कि हम गंगा की दिशा बदलने का साहस रखते हैं। आर्किटेक्ट अजय श्रीवास्तव ने एलुमिलाई एसोसिएशन व आइआइटी रुड़की के इतिहास के बारे में जानकारी दी। समारोह में डीपी जैन, प्रो. एससी सक्सेना, विशंभर, आदित्य गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल को राज्यपाल ने सम्मानित किया। यूपीएमआरसी के एमडी कुमार केशव, डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के कुलपति प्रो. पीके मिश्र समेत, एसोसिएशन के सचिव नवनीत अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में भाग लेते पूर्व छात्र व यूपीएमआरसी के एमडी कुमार केशव (पहली लाइन में दाएं से दूसरे) व अन्य • जागरण

छात्र मलिन बस्तियों के समाधान खोजें

आईजीपी में दो दिनी ग्लोबल मीट उल्लास ग्लोबल थॉमसो 175 शुरू, राज्यपाल ने किया शुभारंभ

स्थापना वर्ष

175 वर्ष पूर्व आईआईटी रुड़की के पूरे होने के अवसर पर देशभर में कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे

1950 1970 और 1983 बैच के पूर्व छात्र और छात्राएं जुटे इस समारोह में, विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता । पूरे वर्ष भर चलने वाले आईआईटी रुड़की विश्वविद्यालय के स्थापना वर्ष उत्सव का आज उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने शुभारम्भ किया। रूड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा देशभर में विभिन्न आयोजन होंगे। कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला की शुरुआत आज इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन लखनऊ चैप्टर की ओर से दो दिवसीय ग्लोबल मीट कार्यक्रम 'उल्लास ग्लोबल थॉमसो 175' के उद्घाटन से हुई।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि रूड़की विश्वविद्यालय से निकले छात्र आज विश्वपटल पर देश का नाम जगमगा रहे हैं। देश के सर्वोत्तम इंजीनियरिंग संस्थानों में शुमार इस संस्थान ने देश के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के जो छात्र आज सक्षम हैं उन्हें समाज के निर्बल वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए भी समय और योगदान देना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि यदि रूड़की विवि के इंजीनियर शहरों में बढ़ रही मलिन बस्तियों की समस्या का निराकरण खोजे तो यह बड़ा बड़ा योगदान होगा।

सरकार इन बस्तियों में रहने वालों के लिए शहर से बाहर घर बनाती है जबकि इनका रोजगार शहर से जुड़ा है। इन बस्तियों के लोग घर भी ले लेते हैं और रोजगार के लिए स्लम में ही रहते हैं तो समस्या वैसी ही बनी रह जाती है। ऐसे बहुत सारे समाज सुधार संबंधी मुद्दे हैं जहां आपके विशेषज्ञ नई राह सुझा सकते हैं।

इस मौके पर जिलाधिकारी लखनऊ और रुड़की एलुमनी अभिषेक प्रकाश ने लखनऊ के विकास की तस्वीर भी साझा की। इस मौके पर आईआईटी रुड़की के 1950, 1970, 1983 व अन्य बैच के एलुमनी को सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने लखनऊ चैप्टर की सोविनियर और वेबसाइट का विमोचन भी किया।

विभिन्न सत्रों में लखनऊ मेट्रो के एमडी इंजीनियर कुमार केशव, डीआरएम लखनऊ इंजीनियर सुरेश सप्रा और पीडब्लूडी के सुप्रीटेंडेंट इंजीनियर पवन वर्मा भी उपस्थित रहे।

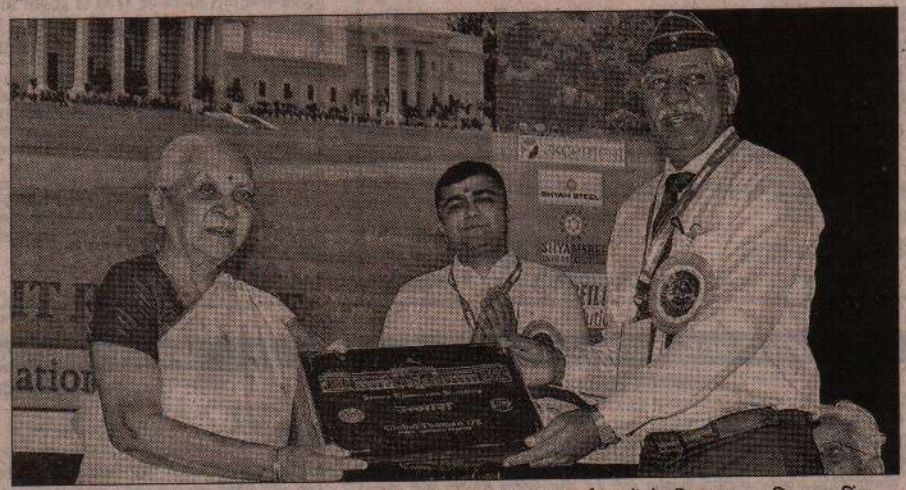

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित उल्लास कार्यक्रम में सेवानिवृत्त जनरल विश्वम्भर सिंह और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान के पूर्व छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पूर्व छात्र बोले: सर्वश्रेष्ठ गुरुओं से मिला ज्ञान

आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन के अनुज वार्ष्णेय ने कहा कि यदि आज हमारे संस्थान की चर्चा विश्व के सर्वोत्तम इंजीनियरिंग संस्थानों में होती है तो इसलिए क्योंकि हमारे संस्थान में हमें सर्वश्रेष्ठ गुरूजन मिले। उनके द्वारा मिले सर्वश्रेष्ठ ज्ञान का उपयोग करते हुए संस्थान के विद्यार्थियों ने दुनिया भर में सर्वोत्तम कार्य किए। अनुज वार्ष्णेय ने कहा कि आज समय आ गया है कि संस्थान के रूप में समाज ने हमें जो कुछ भी दिया है हम वो बेहतरी के रूप में वापस करें। उन्होंने सभी छात्रों का आवाहन करते हुए कहा कि जितना भी सामर्थ्य हो समाज के हित में कार्य करें।

रोबोट तकनीक पर बात

ग्लोबल मीट के प्रथम दिन दो तकनीकी सत्र में पहला सत्र ड्रोन और रोबोट्रिक्स टेक्नोलॉजी और उसके उपयोगों पर आधारित था। इस सत्र में ड्रोन और रोबोटिक्स डेवलपमेंट की एक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी जिसमें देशभर से 70 से भी अधिक इंजीनियरिंग संस्थानों की टीमों ने हिस्सा लिया। दूसरे सत्र में उन तकनीक पर चर्चा हुई जिनसे जीवन सुगम बनेगा।

ow
iNEXT CITY FOCUS
दैनिक जागरण, Lucknow, 24 April 2022
3
ArcherAmanSaini

आईआईटी रुड़की जैसे संस्थान देश का गौरव

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

गवर्नर ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ.

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(23 Apr): आईआईटी रुड़की विश्वविद्यालय के स्थापना वर्ष उत्सव का शनिवार को गवर्नर आनंदी बेन पटेल ने विधिवत शुभारंभ किया. रुड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा ईंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन, लखनऊ चैप्टर द्वारा दो दिवसीय ग्लोबल मीट कार्यक्रम उल्लास ग्लोबल थॉमसो 175 के उद्घाटन से हुई. कार्यक्रम में गवर्नर ने कहा कि इस संस्थान ने देश के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. जो छात्र आज सक्षम हैं उन्हें समाज के निर्बल वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए भी समय और योगदान देना चाहिए. वहीं, अनुज वार्ष्णेय, अध्यक्ष आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन, लखनऊ चैप्टर ने कहा कि समय आ गया है कि संस्थान के रूप में समाज ने हमें जो कुछ भी दिया है हम वो समाज की बेहतरी के रूप में वापस करें.

एल्यूमनी नेटवर्क से युवाओं का होगा विकास

आईआईटी रुड़की की स्थापना दिवस: 'उल्लास ग्लोबल थोमसो 175' समारोह में बोलीं राज्यपाल

अमृत विचार, लखनऊ

आईआईटी रुड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूरे होने पर शनिवार इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'उल्लास ग्लोबल थोमसो 175' समारोह आयोजित किया गया। आईआईटी रुड़की एल्यूमनी एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के वाहक होते हैं। कम्प्यूटर क्रांति व नई आर्थिक नीति भी युवा दिमाग की ही उपज रही है। युवाओं के कौशल विकास को बढ़ाने में विश्वविद्यालय का एल्यूमनी नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि आज टेक्नॉलाजी की जरूरत और इसके प्रति आस्था देश के युवाओं को नये इनोवेशन से जोड़ रही है। किसी भी टेक्नॉलॉजी की वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब उससे समाज के सबसे पिछड़े और वंचित वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हैं।

चित्रों का अवलोकन करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल। फोटो : अमृत विचार

विश्व को छोड़ अपने देश में योगदान के लिए विचार करें युवा: राज्यपाल ने कहा कि अन्य देशों को अपनी प्रतिभा का लाभ दे रहे हमारे भारतीय युवाओं को अपने देश के लिए भी कार्य करने पर विचार करना चाहिए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और शिक्षा केन्द्रों को अपने परिसर से बाहर निकलकर समाज हित में कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आंगनवाड़ी केन्द्रों, गांवों तथा प्राथमिक स्कूलों को गोद लेकर उन्हें सुविधा सम्पन्न बनाने, क्षयरोग से ग्रस्त बच्चों को गोद लेकर पोषण सामग्री तथा चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग देकर समाज के लोगों का कल्याण कर सकते हैं।

लखनऊ चैप्टर की शुरू हुई वेबसाइट

राज्यपाल ने आईआईटी रूड़की एल्यूमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर की वेबसाइट का विमोचन भी किया। इस अवसर पर आईआईटी रूड़की के पूर्व छात्र व लखनऊ जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश, आईआईटीआरएए के अध्यक्ष (सेवानिवृत्त) लेफ्टिनेंट जनरल विश्वम्भर सिंह, यूपीपीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त ई एण्ड सी, धर्मवीर जैन, यूनिसेफ से सेवानिवृत्त वाईडी माथुर, आईआईटीआरएए लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय, आईआईटीआरएए लखनऊ चैप्टर के सचिव अजय श्रीवास्तव एवं विभिन्न प्रांतों से आये हुए अभियन्ता उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान | www.livehindustan.com लखनऊ, रविवार, 24 अप्रैल 2022 04

दो दिवसीय ग्लोबल मीट कार्यक्रम 'उल्लास ग्लोबल थॉमसो 175' शुरू, राज्यपाल ने किया आह्वान

मलिन बस्तियों के समाधान खोजें

175 वर्ष पूर्ण आईआईटी रुड़की के पूरे होने के अवसर पर देशभर में कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे

1950, 1970 और 1983 बैच के पूर्व छात्र और छात्राएं जुटे इस समारोह में, विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। पूरे वर्ष भर चलने वाले आईआईटी रुड़की विश्वविद्यालय के स्थापना वर्ष उत्सव का आज उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने शुभारम्भ किया। रूड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा देशभर में विभिन्न आयोजन होंगे। कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की इस शृंखला की शुरुआत आज इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन लखनऊ चैप्टर की ओर से दो दिवसीय ग्लोबल मीट कार्यक्रम 'उल्लास ग्लोबल थॉमसो 175' के उद्घाटन से हुई।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि रूड़की विश्वविद्यालय से निकले छात्र आज विश्वपटल पर देश का नाम जगमगा रहे हैं। देश के सर्वोत्तम इंजीनियरिंग संस्थानों में शुमार इस संस्थान ने देश के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के जो छात्र आज सक्षम हैं उन्हें समाज के निर्बल वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए भी समय और योगदान देना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि यदि रूड़की विवि के इंजीनियर शहरों में बढ़ रही मलिन बस्तियों की समस्या का निराकरण खोजे तो यह बड़ा बड़ा योगदान होगा।

सरकार इन बस्तियों में रहने वालों के लिए शहर से बाहर घर बनाती है जबकि इनका रोजगार शहर से जुड़ा है। इन बस्तियों के लोग घर भी ले लेते हैं और रोजगार के लिए स्लम में ही रहते हैं तो समस्या वैसी ही बनी रह जाती है। ऐसे बहुत सारे समाज सुधार संबंधी मुद्दे हैं जहां आपके विशेषज्ञ नई राह सुझा सकते हैं। इस मौके पर जिलाधिकारी लखनऊ और रुड़की एलुमनी अभिषेक प्रकाश ने लखनऊ के विकास की तस्वीर भी साझा की। इस मौके पर आईआईटी रुड़की के 1950, 1970, 1983 व अन्य बैच के एलुमनी को सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने लखनऊ चैप्टर की सोविनियर और वेबसाइट का विमोचन भी किया। विभिन्न सत्रों में लखनऊ मेट्रो के एमडी इंजीनियर कुमार केशव, डीआरएम लखनऊ इंजीनियर सुरेश सप्रा और पीडब्लूडी के सुप्रीटेंडेंट इंजीनियर पवन वर्मा भी उपस्थित रहे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित उल्लास कार्यक्रम में सेवानिवृति जनरल विश्वम्भर सिंह ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का सम्मान किया।

पूर्व छात्र बोले: सर्वश्रेष्ठ गुरुओं से मिला ज्ञान

आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन के अनुज वार्ष्णेय ने कहा कि यदि आज हमारे संस्थान की चर्चा विश्व के सर्वोत्तम इंजीनियरिंग संस्थानों में होती है तो इसलिए क्योंकि हमारे संस्थान में हमें सर्वश्रेष्ठ गुरूजन मिले। उनके द्वारा मिले सर्वश्रेष्ठ ज्ञान का उपयोग करते हुए संस्थान के विद्यार्थियों ने दुनिया भर में सर्वोत्तम कार्य किए। अनुज वार्ष्णेय ने कहा कि आज समय आ गया है कि संस्थान के रूप में समाज ने हमें जो कुछ भी दिया है हम वो बेहतरी के रूप में वापस करें। उन्होंने सभी छात्रों का आवाहन करते हुए कहा कि जितना भी सामर्थ्य हो समाज के हित में कार्य करें।

रविवार • 24.04.2022

अमर उजाला 5

इंजीनियरिंग एल्युमिनाई आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेकर फैलाएं शिक्षा का उजियारा

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रुड़की विश्वविद्यालय के एल्युमिनाई को किया सम्मानित। -संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। विश्वविद्यालय संग उसके एल्युमिनाई आंगनबाड़ी केंद्रों, गांवों और प्राथमिक स्कूलों को गोद लेकर उन्हें सुविधा संपन्न बनाने और क्षयरोग से ग्रस्त बच्चों को गोद लेकर पोषण सामग्री व चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग दे सकते हैं। इंजीनियर्स आंगनबाड़ी केंद्रों को एडॉप्ट कर गांव-गांव शिक्षा की अलख जगा सकते हैं। यह बातें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को आईआईटी रुड़की एल्युमिनाई एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर की ओर से आईआईटी रुड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कहीं।

वह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मर्करी सभागार में एसोसिएशन द्वारा आयोजित उल्लास ग्लोबल थोमसो 175 समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। राज्यपाल ने स्मारिका व आईआईटी रुड़की एल्युमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर की वेबसाइट का विमोचन किया और प्रदर्शनी के प्रतिष्ठानों पर जाकर अवलोकन किया। समाज के विकास में योगदान देने के लिए राज्यपाल ने यूपीएमआरसी के एमडी व आईआईटी रुड़की के 1982 बैच के छात्र कुमार केशव को सम्मानित किया। इस मौके पर डीएम व आईआईआईटी रुड़की के पूर्व छात्र अभिषेक प्रकाश, आईआईटीआरएए के अध्यक्ष (सेवानिवृत्त) लेफ्टिनेंट जनरल विश्वम्भर सिंह, पीडब्ल्यूडी से सेवानिवृत्त धर्मवीर जैन, यूनिसेफ से सेवानिवृत्त वाईडी माथुर, आईआईटीआरएए लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय, सचिव अजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

वरिष्ठ आईआईटीयंस ने गीत व नृत्य से बांधा समां : सांस्कृतिक कार्यक्रम में वरिष्ठ आईआईटीयंस ने धमाल मचाया। डीआरएम लखनऊ सुरेश सपरा ने संगीत और उनकी पत्नी नीतू सपरा ने धमाकेदार नृत्य प्रस्तुति देकर समां बांध दिया।

लखनऊ ■ रविवार, 24 अप्रैल 2022 9

अमर उजाला

अपने परिसर से निकलकर सेवा करें शिक्षण केंद्र : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को आईआईटी रुड़की एल्यूमनी एसोसिएशन की लखनऊ चैप्टर की वेबसाइट लांच की। -विज्ञप्ति

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आईआईटी रुड़की के पूर्व विद्यार्थियों ने देश-विदेश में अपना सम्मानजनक स्थान बनाया है। वे आईआईटी रुड़की एल्यूमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर की ओर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'ग्लोबल थोमसो-175" समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहीं थीं।

इस मौके पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और शिक्षा केंद्रों को अपने परिसर से बाहर निकलकर समाज हित में कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के वाहक होते हैं। उन्होंने एक स्मारिका के अलावा आईआईटी रुड़की एल्यूमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर की वेबसाइट भी लांच की। ब्यूरो

آئی آئی ٹی رڑکی کے قیام کے ۱۷۵ برس مکمل ہونے پر تقریب

ایلومینائی ایسوسی ایشن سے گورنر آنندی بین پٹیل کی اپیل، ملک کے مفاد میں دیں تعاون

»» ایسوسی ایشن کے لکھنؤ چیپٹر کی جانب سے اندرا گاندھی پرتشٹھان میں منعقد ہوا پروگرام

لکھنؤ۔ (بیورو)۔ آئی آئی ٹی رڑکی یونیورسٹی کے قیام کے ۱۷۵ برس مکمل ہونے پر قدیم طلاب ایسوسی ایشن لکھنؤ چیپٹر کی جانب سے اندرا گاندھی پرتشٹھان میں ایک پروگرام کا انعقاد کیا گیا۔ پروگرام میں مہمان خصوصی کے طور پر شریک ریاست کی گورنر آنندی بین پٹیل نے کہا کہ آئی آئی ٹی رڑکی یونیورسٹی کے سابق طلاب نے پوری دنیا میں ایک باوقار مقام بنایا ہے۔ ملک کی آزادی کے ۷۵ برس مکمل ہونے کے موقع پر آزادی کا امرت مہوتسو منایا جارہا ہے۔ سبھی کو اس مہوتسو میں شراکت داری یقینی کرنے کے لئے کام کرنا چاہئے۔ تعلیمی اداروں کے کردار پر گفتگو کرتے ہوئے گورنر نے یونیورسٹیوں اور تعلیمی مراکز کو اپنے احاطہ سے باہر نکل کر سماجی مفاد میں کام کرنے کو کہا ہے۔

انہوں نے کہا کہ یونیورسٹی، آنگن باڑی مراکز، گاؤں اور پرائمری اسکولوں کو گود لے کر انہیں جدید سہولیات سے آراستہ کرنے، ٹی بی کے مرض سے متاثر بچوں کو گود لے کر، غذائی اشیاء اور طبی امداد مہیا کرانے میں تعاون دے کر سماج کے لوگوں کی بہبودی کر سکتے ہیں۔

انہوں نے اساتذہ، طلاب اور تحقیقی کام کرنے والوں سے گاؤں اور پسماندہ علاقوں میں جاکر خواتین، بچوں اور بزرگوں کے مسائل کو بھی بہتر ڈھنگ سے سمجھنے اور ان کے تصفیہ کے سلسلہ میں کارگر اقدامات کی صلاح والے کام کرنے کی اپیل کی۔ پروگرام کے دوران گورنر نے یادگاری مجلہ اور آئی آئی ٹی رڑکی ایلومینائی ایسوسی ایشن کی لکھنؤ چیپٹر کی ویب سائٹ کا اجراء بھی کیا۔ اس موقع پر ایسوسی ایشن کی جانب سے انہیں یادگاری نشان پیش کیا گیا۔ گورنر نے پروگرام میں لگائی گئی نمائش کا مشاہدہ بھی کیا۔ اس موقع پر ضلع مجسٹریٹ لکھنؤ، آئی آئی ٹی رڑکی کے قدیم طالب علم ابھیشیک پرکاش، آئی آئی ٹی آر اے اے کے صدر سبکدوش لیفٹیننٹ جنرل وشمبھر سنگھ، یوپی پی ڈبلیو ڈی کے سبکدوش دھرم ویر جین سمیت کئی ریاستوں سے آئے انجینئرس موجود تھے۔

राजधानी
स्वतंत्र भारत
लखनऊ, रविवार, 24 अप्रैल, 2022 3

विश्वविद्यालय समाज हित में कार्य करें : आनंदीबेन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज आईआईटी रूड़की एल्यूमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर द्वारा

-राज्यपाल ने आईआईटी रूड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण करने पर आयोजित समारोह में प्रतिभाग किया

आईआईटी रूड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित 'उल्लास ग्लोबल थोमसो 175' समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आईआईटी रूड़की विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने देश-विदेश में अपना सम्मानजनक स्थान बनाया है। देश आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। सभी को इस महोत्सव के उत्सव में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए।

शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और शिक्षा केन्द्रों को अपने परिसर से बाहर निकलकर समाज हित में कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आंगनवाड़ी केन्द्रों, गांवों तथा प्राथमिक स्कूलों को गोद लेकर उन्हें सुविधा सम्पन्न बनाने, क्षयरोग से ग्रस्त बच्चों को गोद लेकर पोषण सामग्री तथा चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग देकर समाज के लोगों का कल्याण कर सकते हैं।

उन्होंने शिक्षकों छात्रों और शोधकर्ताओं से गांवों और पिछड़े क्षेत्रों में जाकर महिलाओं, बच्चों और वृद्धों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने और उनके समाधान और उपायों विषयक शोध और संसाधन वृद्धि में कारगर उपायों को सुझाने वाले कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के वाहक होते हैं। कम्प्यूटर क्रांति व नई आर्थिक नीति भी युवा दिमाग की ही उपज रही है।युवाओं के कौशल विकास को बढ़ाने में विश्वविद्यालय का एल्यूमनी नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आज टेक्नॉलाजी की जरूरत और इसके प्रति आस्था देश के युवाओं को नये इनोवेशन से जोड़े रही है। किसी भी टेक्नॉलॉजी की वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब उससे समाज के सबसे पिछड़े और वंचित वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हैं। समारोह में उपस्थित संस्थान के पुराने छात्रों को विशेष रूप से सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि युवाओं का कौशल विकास बढ़ाने में आपका एल्युमनी नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने एल्युमनी एसोसिएशन से जुड़े महानुभावों को देशहित में लक्ष्य तय करके योगदान देने के लिए कहा। विश्व में भारतीय प्रतिभाओं के उल्लेखनीय योगदान की चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि अन्य देशों को अपनी प्रतिभा का लाभ दे रहे हमारे भारतीय युवाओं को अपने देश के लिए भी कार्य करने पर विचार करना चाहिए। कार्यक्रम में राज्यपाल ने स्मारिका एवं आईआईटी रूड़की एल्यूमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर की वेबसाइट का विमोचन भी किया । इस अवसर पर एसोसिएशन की ओर से एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। राज्यपाल जी ने समारोह में लगायी गयी।

आप प्रेम को खरीद नहीं ;
आपको भारी जुर्माना जरूर भर

दैनिक भास्कर
रविवार, 24 अप्रैल, 2022 लखनऊ 03

एल्युमनी एसोसिएशन देशहित में दें योगदान : आनंदीबेन

राज्यपाल ने आईआईटी रूड़की विवि की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण करने पर आयोजित समारोह में किया प्रतिभाग

भास्कर ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को आईआईटी रूड़की एल्युमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर द्वारा आईआईटी रूड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित 'उल्लास ग्लोबल थोमसो 175' समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आईआईटी रूड़की विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने देश-विदेश में अपना सम्मानजनक स्थान बनाया है। देश आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। सभी को इस महोत्सव के उत्सव में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालयों और शिक्षा केंद्रों को अपने परिसर से बाहर निकलकर समाज हित में कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आंगनबाड़ी केंद्रों, गांवों तथा प्राथमिक स्कूलों को गोद लेकर उन्हें सुविधा सम्पन्न बनाने, क्षयरोग से ग्रस्त बच्चों को गोद लेकर पोषण सामग्री तथा चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग देकर समाज के लोगों का कल्याण कर सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों छात्रों और शोधकर्ताओं से गांवों और पिछड़े क्षेत्रों में जाकर महिलाओं, बच्चों और वृद्धों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने और उनके समाधान और उपायों विषयक शोध और संसाधन वृद्धि में कारगर उपायों को सुझाने वाले कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के वाहक होते हैं। कम्प्यूटर क्रांति व नई आर्थिक नीति भी युवा दिमाग की ही उपज रही है। युवाओं के कौशल विकास को बढ़ाने में विश्वविद्यालय का एल्युमनी नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आज टेक्नोलॉजी की जरूरत और इसके प्रति आस्था देश के युवाओं को नये इनोवेशन से जोड़ रही है। किसी भी टेक्नोलॉजी की वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब उससे समाज के सबसे पिछड़े और वंचित वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हैं।

समारोह में उपस्थित संस्थान के पुराने छात्रों को विशेष रूप से सम्बोधित करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन ने कहा कि युवाओं का कौशल विकास बढ़ाने में आपका एल्युमनी नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने एल्युमनी एसोसिएशन से जुड़े महानुभावों को देशहित में लक्ष्य तय करके योगदान देने के लिए कहा।

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, रविवार, 24 अप्रैल, 2022

रूड़की विवि के इंजीनियर, शहरों में बढ़ रही स्लम एरिया की समस्या का निराकरण खोजे : आनंदी बेन पटेल

आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन, लखनऊ का ग्लोबल मीट कार्यक्रम उल्लास ग्लोबल थॉमसो 175 संपन्न

लखनऊ। आईआईटी रुड़की विश्वविद्यालय के स्थापना वर्ष उत्सव में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि रूड़की विश्वविद्यालय से निकले छात्र आज विश्वपटल पर देश का नाम जगमगा रहे हैं। इस संस्थान ने देश के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्वविद्यालय के सक्षम छात्रों को समाज के निर्बल वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए योगदान देना चाहिए। कहा छात्र संगठन आंगनवाडी जैसे इकाइयों के साथ मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा के प्रसार के लिए कार्य करना चाहिए।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल शनिवार को इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन, लखनऊ चैप्टर द्वारा दो

दिवसीय ग्लोबल मीट कार्यक्रम ह्यउल्लास ग्लोबल थॉमसो 175ह्ल में बोल रही थी। उन्होंने ने कहा की बालिकाओं की शिक्षा के लिए भी काम करने की आवश्यकता है। यदि रूड़की विवि के इंजीनियर शहरों में बढ़ रही स्लम एरिया की समस्या का निराकरण खोजे तो यह बड़ा योगदान होगा। सरकार इन स्लम बस्तियों में रहने वालों के लिए शहर से बाहर घर बनाती है जबकि इनका रोजगार शहर से जुड़ा है इन बस्तियों के लोग घर भी ले लेते हैं और रोजगार के लिए स्लम में ही रहते हैं तो समस्या वैसी ही बनी रह जाती है। ऐसे बहुत सारे समाज सुधार संबंधी मुद्दे है जिन पर आपके सहयोग से समाज को फायदा हो सकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुज वार्ष्णेय, अध्यक्ष आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन, लखनऊ चैप्टर ने कहा कि आज यदि हमारे संस्थान की चर्चा विश्व के सर्वोत्तम इंजीनियरिंग संस्थानों में होती है इसका कारण हमारे संस्थान के सर्वश्रेष्ठ गुरूजन है। उन्होंने कहा जितना भी सामर्थ्य हो समाज के हित में कार्य करें। उद्घाटन सत्र के दौरान ग्लोबल एल्यूमनाई एसोशिएसन के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल विशम्भर सिंह, आईआईटी रुड़की एलुमनी एसोसिएशन, लखनऊ चैप्टर सचिव अजय श्रीवास्तव व देशभर से आए छात्र शामिल हुए।

आयोजन

आईआईटी रुड़की एल्यूमनी एसोसिएशन के लखनऊ चेप्टर ने आयोजित किया 'उल्लास ग्लोबल थोमसो 175' समारोह

कम्प्यूटर क्रांति व नई आर्थिक नीति भी युवा दिमाग की ही उपज

वरिष्ठ संवाददाता

संदेश वाहक, लखनऊ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने शनिवार को कहा कि युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के वाहक होते हैं। कम्प्यूटर क्रांति व नई आर्थिक नीति भी युवा दिमाग की ही उपज रही है। युवाओं के कौशल विकास को बढ़ाने में विश्वविद्यालय का एल्यूमनी नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वह आईआईटी रुड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूरे होने पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'उल्लास ग्लोबल थोमसो 175' समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहीं थीं।

आईआईटी रुड़की एल्यूमनी एसोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आज टेक्नॉलाजी की जरूरत और इसके प्रति आस्था देश के युवाओं को नये इनोवेशन से जोड़ रही है। किसी भी टेक्नॉलॉजी की वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब उससे समाज के सबसे पिछड़े और वंचित वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हैं।

बोलीं राज्यपाल

- **कौशल विकास को बढ़ाने में विश्वविद्यालय का एल्यूमनी नेटवर्क महत्वपूर्ण**

विश्व को छोड़ अपने देश में योगदान के लिए विचार करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि अन्य देशों को अपनी प्रतिभा का लाभ दे रहे हमारे भारतीय युवाओं को अपने देश के लिए भी कार्य करने पर विचार करना चाहिए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और शिक्षा केन्द्रों को अपने परिसर से बाहर निकलकर समाज हित में कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आंगनवाड़ी केन्द्रों, गांवों तथा प्राथमिक स्कूलों को गोद लेकर उन्हें सुविधा सम्पन्न बनाने, क्षयरोग से ग्रस्त बच्चों को गोद लेकर पोषण सामग्री तथा चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग देकर समाज के लोगों का कल्याण कर सकते हैं।

आईआईटी रुड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूरे होने पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल। फोटो : संदेश वाहक

लखनऊ चैप्टर की शुरू हुई वेबसाइट

राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की एल्यूमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर की वेबसाइट का विमोचन भी किया। इस अवसर पर आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्र व लखनऊ जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश, आईआईटीआरएए के अध्यक्ष (सेवानिवृत्त) लेफ्टिनेंट जनरल विश्वंभर सिंह, यूपीपीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त ई एण्ड सी, धर्मवीर जैन, यूनिसेफ से सेवानिवृत्त वाईडी माथुर, आईआईटीआरएए लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय, आईआईटीआरएए लखनऊ चैप्टर के सचिव अजय श्रीवास्तव व विभिन्न प्रांतों से आये हुए अभियंता उपस्थित थे।